हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–127 : जौनपुर, सोमवार 16 जनवरी 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

खेती में नई तकनीक पर करें शोध तथा बढ़ाएं किसानों की आमदनी –राज्यपाल

लखनऊ ब्यूरो : आचार्य नरेंद्र देव राजनीतिक सुधारक के साथ उच्च कोटि के शिक्षाविद थे। वह समझते थे कि हमारे देश का भविष्य कृषि व यहां के किसान हैं। जब तक वह सुरक्षित हैं तभी हमारा देश सुरक्षित है। आज कृषि विश्वविद्यालयों में हो रहे रोज नए नए प्रयोग से कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन आया है। कृषि विश्वविद्यालय में शोध करने वाले छात्रों को चाहिए कि वह खेती के नए गुण विकसित करें, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ सके। यह बातें राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कही। वह सोमवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 24 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कृषि ड्रोन तकनीक को और विकसित करने पर जोर दिया साथ ही मोटे अनाज को प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा की आबादी कृषि पर निर्भर है। इसको देखते हुए प्रदेश व केंद्र व भाजपा सरकार द्वारा उत्पादन बढ़ाने के तहत तकनीक पर जोर दिया जा रहा है। कहा कि प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालय स्वावलंबी व

आत्मनिर्भर बनें इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। राज्यपाल व कृषि मंत्री ने उपाधि व मेडल प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान 6 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 12 को कुलपति स्वर्ण पदक, 7 को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किया गया साथ ही 545 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

सरकारी के साथ निजी आयुष कॉलेजों की फीस तय : सरकारी 19 हजार व निजी में तीन लाख तक ही फीस

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के सरकारी के साथ निजी आयुष कॉलेजों की फीस तय कर दी गई है। कोई भी निजी कॉलेज अब मनमानी तरीके से फीस नहीं वसूल सकेगा। कॉलेज संचालकों को अपनी वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर फीस सार्वजनिक करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बीएएमएस, बीएचएमएस और बीयूएमएस के सरकारी कॉलेजों की फीस 19 हजार की गई है। आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 14 हजार देने होंगे। जबकि निजी कॉलेजों की फीस करीब डेढ़ से तीन लाख के बीच है। प्रदेश के सरकारी एवं निजी आयुष कॉलेजों में बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीयूएमएस (यूनानी) की काउंसिलिंग शुरू हो गई है। कॉलेज संचालकों द्वारा मनमानी तरीके से फीस वसूली की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में शासन की ओर से कॉलेजों की फीस तय करने के साथ ही उसे सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी कॉलेज के खिलाफ अतिरिक्त वसूली की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। फीस की स्थिति बीएएमएस– आठ सरकारी कॉलेजों में 502 सीटें और फीस 19 हजार प्रतिवर्ष है। आरक्षित श्रेणी के लिए 14 हजार देना होगा। निजी 61 कॉलेजों में 4720 सीट हैं। यहां फीस दो लाख चार हजार छह सौ से लेकर तीन लाख तक है। यह फीस कॉलेजों में संसाधनों के अनुसार कम

या अधिक की गई है। ज्यादातर कॉलेज ढाई लाख के करीब हैं। सर्वाधिक तीन लाख फीस वाला कॉलेज शम्स ए गौसिया माइनारटी पीजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज गाजीपुर है। बीएचएमएस : सरकारी नौ कॉलेजों में 829 सीट और फीस 19 हजार। आरक्षित श्रेणी के लिए 14 हजार। निजी दो कॉलेजों में 200 सीटें हैं। बैक्शन होम्योपैथिक कॉलेज, नोएडा की ढाई लाख और नेमिनाथ होम्योपैथिक कॉलेज, आगरा की डेढ़ लाख प्रतिवर्ष तय की गई है। बीयूएमएस : सरकारी दो कॉलेजों की 128 सीट और फीस 19 हजार है। आरक्षित श्रेणी में 14 हजार जमा करना होगा। 10 निजी कॉलेजों में 560 सीट हैं। फीस एक लाख 98 हजार से दो लाख 64 हजार तक तय की गई है।

विश्व शांति दूत मानवता एवं शांति संदेश कार्यक्रम में श्रोताओं की उमड़ी भीड़

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : कस्बे के हरपालपुर में मानवता एवं शांति संदेश कार्यक्रम में विश्व शांति दूत एवं विश्व शांति शिक्षा कार्यक्रम के संस्थापक प्रेम रावत जी ने कहा कि जो चीज मनुष्य के अंदर हैं उस चीज को जानना ही शांति है । जिस प्रकार प्यास को तसल्ली नहीं पानी चाहिए उसी प्रकार शांति का अनुभव करना जरूरी है विश्व शांति दूत प्रेम जी ने कहा जब तक मनुष्य को अनुभव नहीं होगा उसको समझ में नहीं आएगा उन्होंने कहा कि मैं आपके अंदर के मंदिर की बात कर रहा हूं ,उसको चोर नहीं ले जा सकता कोई काट नहीं सकता जो आपके अंदर निरंतर चल रहा है जिसको हम लोग बाहर ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं वह मनुष्य के हृदय में मौजूद है प्रेम जी ने स्वांस की ओर इशारा करते हुए कहा जो चीज आप के अंदर बाहर आ जा रही है इसकी वजह से आप जीवित हैं स्वांस को पहचानो। हरपालपुर कस्बे की कोतवाली के पीछे स्थित नखासा बाग में आयोजित इस कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रोताओं की सैकड़ों की संख्या में भीड़ उमड़ी इस शांति शिविर को बेहद परिश्रम से सजाया गया इस शिविर के अंदर वीडियो के माध्यम से विश्व शांति दूत प्रेम रावत जी के देश विदेश में दिए गए प्रवचनों का प्रसारण लोगों को दिखाया व सुनाया जा रहा है कार्यक्रम में स्वयंसेवक बड़े

ही तन्मयता से जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से यह कार्यक्रम शुरू होता है और दो बजे संपन्न हो जाता है कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा बताया गया कि इस शांति संदेश कार्यक्रम को टाइमलेस टुडे डॉट टीवी के माध्यम से आप कभी भी कहीं भी सुन व देख सकते हैं। इसके अलावा विश्व शांति दूत प्रेम रावत जी के बारे में अधिक जानकारी के लिए प्रेम रावत डॉट पर भी सर्च किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आरेंद्र कुशवाहा, अमित कुमार उर्फ सचिन स्वर्णकार, जगपाल कुशवाहा,सुधा देवी, बृजमोहन शर्मा,अखिलेश कश्यप, सीमा सिंह, सोनू आदि अनुयायी व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे थे।

सड़क सुरक्षा अभियान अन्तर्गत जिलाधिकारी जौनपुर नें महिलाओं की स्कूटी रैली को दिखाई हरी झंडी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता फैलाने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से महिलाओं द्वारा स्कूटी रैली निकाली गई। रैली को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कूटी रैली जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल, एआरटीओ प्रवर्तन स्मिता वर्मा के नेतृत्व मे कलेक्ट्रेट से शुरू होकर रोडवेज, जेसीज चौराहा, ओलंदगंज, सदभावना पुल चहारसू होते हुए शाही किला तक गई, जहाँ लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। रैली में महिलाए तखघ्ती बैनर लिए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु नारे लगाती लोगों को प्रेरित व जागरूक करते चल रही थी। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। बाइक चलाते समय हेलमेट व चार पहिया वाहन चलाते समय सीट–बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने कहा कि पांच जनवरी से चार फरवरी तक चलने वाले सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात नियमों का पालन करने को लेकर लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि अपने अपने स्कूलों में प्रार्थना सभा में बच्चों को जागरूक करें कि वे अपने अभिभावक व आस पास के लोगों को सड़क सुरक्षा हेतु जागरूक करें। एआरटीओ प्रवर्तन स्मिता वर्मा ने कहा कि जागरूकता के साथ–साथ यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन स्वामी–चालक के विरुद्ध ओवर स्पीडिग, नशे की हालत में ड्राइविग, गलत साइड ड्राइविग करना, वाहन चलाते समय मोबाइल का

प्रयोग, हेलमेट व सीट बेल्ट न धारण करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जागरूकता अभियान निरंतर चलता रहेगा, ताकि पूर्व की अपेक्षा आगे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सके एवं सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम किया जा सके। सीओ सदर ने कहा कि यातायात नियमों का पालन सभी को करना चाहिए। ताकि वह खुद के साथ–साथ दूसरों को भी सुरक्षित रख सके। जागरूकता रैली में टीएसआई, राजू सिंह, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, अर्चना सिंह, प्रीति श्रीवास्तव, विजय लक्ष्मी यादव, यामिनी सिंह, ज्योति श्रीवास्तव, कुमुदिनी अस्थाना, रंजना राना, ब्रहमशील यादव, रवि यादव, शिवम सिंह सहित महिला शिक्षिकाएं सहित काफी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

जेसीआई जौनपुर का 59वां शपथ ग्रहण समारोह संपन्न : दिलीप सिंह ने अध्यक्ष पद की ली शपथ

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : जनपद जौनपुर में युवाओं की अग्रणी समाजसेवी संस्था जेसीआई जौनपुर के 59वें शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन नगर के प्रतिष्ठित होटल में किया गया। इस अवसर पर 2022 के अध्यक्ष डॉक्टर संदीप पांडे ने अपने कार्यकाल में किए गए सामाजिक कार्यों में सहयोग के लिए सभी मेंबरों को धन्यवाद दिया। तत्पश्चात जेसी एचजीएफ दिलीप सिंह को जेसीआई जौनपुर 2023 के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। अध्यक्ष पद की शपथ लेने के बाद दिलीप सिंह ने आश्वासन दिया कि संस्था द्वारा किए गए कार्यों को अनवरत रूप से जारी रखते हुए संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करूंगा। नीतू सिंह ने जेसी आस्था पाठ कराया व जूही बरनवाल ने दिलीप सिंह का जीवन परिचय दिया। अध्यक्ष पद की शपथ लेने के बाद आए हुए विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने माला व फूल से नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम में काशी से पधारे मुख्यअतिथि मण्डल अध्यक्ष जेएफपी अभिनव चौरसिया जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि मनुष्य मन में ठान ले तो कोई भी असंभव से असंभव कार्य भी संभव हो सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ आर. एन. त्रिपाठी (सदस्य लोक सेवा आयोग) ने संस्था के सभी मेंबरों का उत्साहवर्धन किया और समाज में सभी को आगे बढ़कर मदद करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व मण्डल अध्यक्ष राधे रमण जायसवाल व आलोक सेठ जी ने संयुक्त रूप से कहा की आने वाला वर्ष जेसीआई के लिए निश्चित रूप से सुनहरा अवसर लेकर आएगा। जोन डायरेक्टर जेसी गौरव सेठ, जोन कोऑर्डिनेटर जेसी धर्मेंद्र सेठ, जेसी प्रभव गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्था अध्यक्ष दिलीप सिंह ने अपनी कार्यकारिणी में सचिव आकाश केसरवानी, कोषाध्यक्ष विशाल मनीष तिवारी, उपाध्यक्ष

दिलीप जयसवाल, प्रदीप सिंह, सौरभ बरनवाल, राजकुमार, हाफिज साह, रमेश श्रीवास्तव, सह सचिव ऋतुल पाठक, सह कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता, डायरेक्टर रंजीत सिंह सोनू, आरिफ अंसारी, भरत सेठ, सत्य प्रकाश जयसवाल, संतोष अग्रहरी, नीरज श्रीवास्तव, आशुतोष जायसवाल, सर्वेश गुप्ता, शिवेंद्र सेठ, प्रशान्त द्विवेदी, सनी सेठ, पीआरओ सचिन जयसवाल, डायरेक्टर जेजे मनीष मौर्य, जेसीरेट चेयर पर्सन अर्चना सिंह, जेसीरेट सेक्रेटरी सौम्या केसरवानी, जेजे चेयरमैन दिव्य सेठ, जेजे सेक्रेटरी आयुषी तिवारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मण्डल अध्यक्ष अभिनव चौरसिया जी ने संस्था में नए सदस्य अमित सोनी, राज साहू, रजत वर्मा, शिखर महेश्वरी, रवि कुमार सेठ, सत्यम साहू, अंजनी कुमार प्रजापति, कार्तिकेय पाठक, अभिषेक बैंकर, सनी वर्मा, प्रशांत सिंह, डॉ हर्ष विक्रम सिंह व अभिषेक अग्रहरी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ क्षितिज शर्मा, डॉ बी.एस. उपाध्याय, शशांक सिंह रानू, सैयद मोहम्मद मुस्तफा, मनीष गुप्ता, इंटरनेशनल ट्रेनर मिर्जा डाबर बेग, डॉक्टर अजय सिंह, डॉ इंद्रजीत सिंह, राम कृपाल जायसवाल, संदीप सेठी, संजय बैंकर तथा जेसीआई के पूर्व अध्यक्षों सहित जौनपुर के कई सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष व सचिव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जेसी हाफिज शाह ने किया। कार्यक्रम संयोजक जेसी गौतम सेठ व जेसी सूर्यांक साहू ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की प्री बोर्ड परीक्षा मे शामिल परीक्षार्थी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय खरगूपुर, गोंडा। हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की प्री बोर्ड परीक्षा सोमवार से शुरू हुई। स्थानीय नगर स्थित श्री गांधी

आदर्श इंटर कॉलेज में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की प्री बोर्ड परीक्षा की शुरुआत हुई। उक्त परीक्षा में हाई स्कूल के 337 तथा इंटरमीडिएट के 241 परीक्षार्थी भाग ले रहे हैं जिसमें छात्र–छात्राएं शामिल हैं। प्रधानाचार्य सुब्रत राजन पांडे एवं परीक्षा प्रभारी संदीप मिश्र ने संयुक्त रूप से बताया कि छह दिवसीय प्री बोर्ड परीक्षा सोमवार से शुरू हुआ जो 21 जनवरी तक चलेगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

बस नाम के ही हैं स्मार्ट चौराहे : पेश कर रहे शहर की बदरंग तस्वीर

लखनऊ ब्यूरो : इन्वेस्टर्स समिट और जी–20 के आयोजनों को लेकर एक तरफ शहर को सजाया संवारा जा रहा है तो दूसरी ओर अधूरे पड़े स्मार्ट चौराहे–तिराहे मेहमानों के सामने बदरंग तस्वीर पेश करेंगे। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की सख्ती के बावजूद इनका काम आगे नहीं बढ़ पाया। इनके काम पिछले साल 30 जून को ही पूरे हो जाने चाहिए

थे। स्मार्ट सिटी योजना के तहत पहले जहां 33 चौराहों को स्मार्ट बनाया जाना था। अब इनकी संख्या महज 12 रह गई है। कपूरथला चौराहा भी स्मार्ट चौराहा योजना में शामिल है। इसे स्मार्ट बनाने का काम करीब आठ महीने से चल रहा है। करीब दो महीने से यहां भी काम बंद है। यही हाल नेहरू बाल वाटिका के पास स्थित अल्कापुरी तिराहे का है। यहां पर भी काम अधूरा पड़ा है। अलीगंज सेक्टर–क्यू चौराहे पर भी करीब चार महीने से काम चल रहा है, पर अब तक पूरा नहीं हुआ। कई कमियां भी आ चुकी हैं सामने स्मार्ट चौराहा–तिराहा के काम में लापरवाही बरती जा रही है। कई जगहों पर फुटपाथ के निर्माण में गड़बड़ियां सामने आ चुकी हैं। कहीं नाली नहीं बनी थी तो कहीं स्लोप ही नहीं बनाया गया। इन कमियों को दूर करने के लिए ही मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने एक कमेटी भी बनाई थी, जिसमें मुख्य अभियंता एलडीए, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग और मुख्य अभियंता सिविल नगर निगम को शामिल किया गया था। इसके बावजूद कोई फायदा नजर नहीं आ रहा। स्मार्ट चौराहा–तिराहा पर ये काम होने हैं ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था होनी है। चौराहे के चारों ओर फुटपाथ को फिर से बनाना है। जेब्रा क्रॉसिंग बनाई जानी है। जो चौराहे गोल हैं, वहां बिटुमिन वाली ऐसी सड़क बनाई जानी हैं, जिस पर गाड़ियां न फिसलें। योजना में शामिल हैं ये चौराहे–तिराहे सिकंदर बाग, पेपर मिल, निशातगंज, कोनेश्वर, कपूरथला, अल्कापुरी, कैसरबाग, चिनहट, सेक्टर क्यू, बालागंज, मटियारी, सुषमा हॉस्पिटल चौराहा। संबंधित एजेंसी पर करेंगे कार्रवाई स्मार्ट सिटी कंपनी के सीईओ इंद्रजीत सिंह का कहना है कि सभी स्मार्ट चौराहों का काम पूरा कराया जाएगा। कहीं पर काम नहीं हो रहा है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों से रिपोर्ट भी ली जाएगी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
अपनें विचारों को नियंत्रित करना सीखें, नहीं तो वो आपको नियंत्रित करेंगे।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

तालिबान का फरमान और मलाला

मलाला न केवल पाकिस्तान और कई अन्य देशों में शिक्षा पर काम कर रही हैं, बल्कि वह और उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई वास्तव में अफगानिस्तान में भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

नवविवाहिता मलाला यूसुफजई जब शादी के बाद पहली बार अपने शौहर के साथ लाहौर एयरपोर्ट पर उतरी थीं, तब मैंने ट्वीट किया था, 'वेलकम बैक क्वीन'। पंजाब की प्रांतीय राजधानी में करीब हफ्ते भर के उनके प्रवास के दौरान उनके अभिभावक भी साथ थे। वह स्कूली छात्राओं को विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित और कला की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान कार्यक्रम के तहत अपने काम से भी परिचित कराने के लिए आई थीं। मलाला नोबेल से सम्मानित पाकिस्तान की दूसरी शख्स हैं। वह तीन बार पाकिस्तान आ चुकी हैं और आखिरी बार वह देश में आई भीषण बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित सिंध में मदद के लिए आई थीं।

लाहौर की इस यात्रा का यह मतलब भी था कि वह अपने घर स्वात नहीं जा सकेंगी, क्योंकि वहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक तालिबान पाकिस्तान फिर से सक्रिय हो गया है और जिसकी वजह से वहां के हालात बदतर हैं। ऐसा लगता है कि स्वात तथा उत्तरी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में कुछ भी नहीं बदला है। मलाला को तब अपना घर छोड़ना पड़ा था, जब उग्रवादियों ने लड़कियों की शिक्षा का विरोध किया। और जब सुरक्षा बलों ने इस क्षेत्र में अपना दखल बढ़ाया, तब जीवन सामान्य स्थिति की ओर लौटने लगा। इन दिनों वहां नागरिक उग्रवाद के खिलाफ नारे लगाते हुए शांति रैलियां निकाल रहे हैं और सरकार से अपने जीवन की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

मलाला न केवल पाकिस्तान और कई अन्य देशों में शिक्षा पर काम कर रही हैं, बल्कि वह और उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई वास्तव में अफगानिस्तान में भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिता और पुत्री हर संभव मंच से आवाज उठा रहे हैं और तालिबान सरकार से लड़कियों को स्कूल जाने की इजाजत देने की मांग कर रहे हैं। लेकिन वास्तव में जब लड़कियों की शिक्षा की बात आती है, तो शक्ति काबुल में नहीं, बल्कि कंधार में नेतृत्व के पास होती है, जो ऐसे मामलों में निर्णय लेते हैं। मलाला ने हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके कुछ मंत्रियों से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। एक बहुत ही दिलचस्प वीडियो था, जिसमें मलाला ने प्रधानमंत्री को बधाई देने के लिए अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन वह इसके बजाय प्यार से अपना हाथ उनके सिर पर रखते हैं, जैसा कि पूर्वी परंपरा है, और हाथ नहीं मिलाते हैं।

इस हफ्ते मलाला ने विपक्ष के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही से मुलाकात की, क्योंकि उनके कुछ प्रोजेक्ट्स पंजाब में भी चल रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं राजनीतिक रूप से सही होने के बारे में कभी चिंता नहीं करती। मैं सिर्फ सच के साथ होना चाहता हूं। मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। मैं विशेषज्ञों के काम में यकीन करती हूं। हम शोध और उपलब्ध आंकड़ों को देखते हैं। जब मैं शिक्षा की वकालत करती हूं, तो हम देखते हैं कि डाटा हमें क्या बताता है।'

पाकिस्तान की ओर से भी कई बार तालिबान से कहा गया है कि कुछ अन्य मांगों को स्वीकार करने के साथ वह लड़कियों की शिक्षा को अनुमति दे, तो उसे आधिकारिक तौर पर मान्यता देने का रास्ता खुल सकता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने न्यूयॉर्क में एक इंटरव्यू में इस तरह की बात की थी। उनके अलावा विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार ने काबुल की अपनी पहली यात्रा के दौरान ऐसा कहा था, लेकिन अफगानिस्तान के हालात देखकर लगता नहीं कि ऐसा हो पाएगा। पाकिस्तान ने तालिबान के किसी पुरुष राजनयिक को भेजे जाने पर जोर देने के बावजूद एक उच्च शिक्षित एक वरिष्ठ महिला को काबुल भेजकर स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की। विदेश राज्यमंत्री रब्बानी जब– बिना बुर्के या चादर, जैसा कि अफगान महिलाएं पहनती हैं– सिर्फ दुपट्टा डाले काबुल हवाई अड्डे पर उतरीं, तो कई लोग हैरत में पड़ गए थे। मेरे लिए रब्बानी की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने वहां अफगान महिला व्यवसायियों से भी मुलाकात की। वहां उन्होंने उनके साथ भोजन किया और एलान किया कि पाकिस्तान की नई व्यापार नीति में अफगान महिलाओं से आयात को प्राथमिकता दी जाएगी।

दुनिया जब भी तालिबान के साथ बातचीत करती है, तो लड़कियों की शिक्षा को हर चर्चा में सबसे ऊपर रखती है। लेकिन काबुल पर कब्जा करने के बाद से तालिबान इस मुद्दे पर जरा भी झुकने को तैयार नहीं हैं। इस बीच, अफगान के शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने जब लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध का एलान किया, तो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। अगस्त, 2021 में तालिबान ने सत्ता में कब्जे के बाद लड़कियों के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया था। मार्च में उसने माध्यमिक स्कूलों में लड़कियों के लौटने पर प्रतिबंध लगाया।

मैं तब सही थी, जब मैंने कहा था कि मुझे कोई उम्मीद नहीं। पाकिस्तान ने निराशा व्यक्त करते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और काबुल की सत्ता से आग्रह किया है कि वह अफगान महिलाओं और छात्राओं की उच्च शिक्षा पर रोक लगाने के अपने फैसले पर फिर से विचार करे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस्लाम के अनुसार प्रत्येक पुरुष और महिला को शिक्षा का अंतर्निहित अधिकार है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने विश्वविद्यालयों में महिलाओं के प्रवेश पर तालिबान के प्रतिबंध पर निराशा व्यक्त की है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा, मुझे अभी भी लगता है कि काबुल और अंतरिम सरकार से संवाद के जरिये ही हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस्लामाबाद में ओआईसी की बैठक में कहा कि मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि अफगानिस्तान अफरा–तफरी की ओर बढ़ रहा है।

मीडिया से बात करते हुए मलाला ने कहा, 'मैं अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों के लिए उम्मीद से भरी हुई हूं, जिसकी एक वजह अफगान महिलाओं द्वारा अभी उठाए जा रहे कदम हैं। वे हार नहीं मान रही हैं। वे सड़कों पर अपने अधिकारों के लिए नारे लगा रही हैं, और लड़कियां शिक्षा के अपने अधिकार के लिए चीख रही हैं। यह कुछ ऐसा है, जो मुझे आशा देता है।'

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

भारतीय थल सेना दिवस पर एथलेटिक प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय रुड़की, हरिद्वार। अचीवर्स स्पोर्ट्स एंड मिलट्री अकैडमी के तत्वाधान में करौंदी प्रांगण में भारतीय थल सेना दिवस पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 400 मीटर, 800 मीटर, पंद्रह सौ मीटर बालक वर्ग इवेंट का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अचीवर्स स्पोर्ट्स एंड मिलट्री अकैडमी के निदेशक राजकुमार सिद्धू द्वारा प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया आपने इस अवसर पर भारतीय थल सेना की उपलब्धियों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस प्रतियोगिता में इस प्रतियोगिता में 400 मीटर रेस में सोहेल ने प्रथम स्थान अर्जुन दूसरा स्थान तीसरा स्थान अनस ने प्राप्त किया 800 मीटर में सॉलिड ने प्रथम स्थान द्वितीय स्थान रितिक तीसरा स्थान अश्विनी ने प्राप्त किया पंद्रह सौ मीटर रेस में जतिन ने प्रथम स्थान अभिषेक ने द्वितीय स्थान तथा किसानों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं को पदक बैठकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में शेख बाल, रामवीर सिंह, अब्दुल रहमान आकाश कुमार, बुरहान अहमद डॉ आलोक कुमार द्विवेदी का प्रमुख योगदान रहा। इस अवसर पर अचीवर्स स्पोर्ट्स एंड मिलट्री अकैडमी क्लब के निदेशक राजकुमार सिद्धू ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को अनुशासन का पाठ एवं भारतीय थल सेना दिवस के उपलक्ष में बधाई दी।

फार्मेसिस्ट फेडरेशन की साइंटिफिक विंग ने गोल्ड मेडलिस्ट ज्ञान चंद का किया सम्मान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। फार्मेसिस्ट फेडरेशन की साइंटिफिक विंग की बैठक आज लखनऊ वन विभाग मुख्यालय में एसवीएन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ संजय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें ज्ञान चंद्र यादव को इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडल मिलने पर उनका सम्मान किया गया और उन्हें यूथ विंग का महासचिव भी बनाया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि फार्मेसिस्ट फेडरेशन की साइंटिफिक विंग, फार्मसिस्टो को एकजुट करने और उनका सम्मान, रोजगार दिलाने के लिए कार्य करेगी । साथ ही सभी फार्मेसी जनों को अपग्रेड करने का प्रयास किया जाएगा । उक्त आशय की जानकारी देते हुए एकेडमिक प्रभारी डॉ शिवप्रसाद ने बताया कि फार्मेसी क्षेत्र में शोध कर रहे सभी वैज्ञानिकों एवं शिक्षण कार्य में लगे हुए सभी प्रोफेसर निदेशक आदि के माध्यम से फार्मेसिस्टो का शैक्षिक ज्ञान निरंतर अपडेट किया जाएगा, नियमित रूप से वैज्ञानिक सेमिनार आयोजित किए जाएंगे । तय किया गया कि लखनऊ के सभी फार्मेसी शिक्षण संस्थानों में फेडरेशन की वैज्ञानिक कमेटी टीम द्वारा विजिट किया जाएगा और फार्मेसी फैकल्टी एवं छात्रों से मुलाकात की जाएगी । फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव, महामंत्री अशोक कुमार, यूथ फार्मेसिस्ट फेडरेशन के संरक्षक उपेंद्र, अध्यक्ष आदेश, मीडिया प्रभारी अंबरीश, सचिव मुख्यालय अभिषेक शुक्ला, आयुष, सुजीत आदि ने बैठक में भागीदारी किया । 55वर्ष की उम्र में मेधावी छात्र ने बी टेक,

एम टेक के बाद फार्मेसी की शिक्षा लेकर कीर्तिमान बनाया। फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि ज्ञान चंद यादव ने 55वर्ष की उम्र में फार्मेसी की शिक्षा ग्रहण कर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। ज्ञान 1994 में बी टेक और बाद में एम टेक में भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया था।उन्होंने 1998– 1998 में आई टी आई क्वालिटी कंट्रोल में सेवा की । उन्होंने असिस्टेंट मैनेजर और जनरल मैनेजर के पद पर विलार्ड ग्रुप, बजाज ग्रुप, मोदी ग्रुप, बलरामपुर ग्रुप की चीनी मिलों में कार्य किया, बाद में बघौली शुगर एंड डिस्टलरी में महाप्रबंधक के पद पर कार्य किया । कोविड के समय पीड़ित मानवता को देख उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में औषधियों के लिए कार्य करने का मन बनाया और महाप्रबंधक की नौकरी छोड़कर इंटीग्रल विश्विद्यालय से फार्मेसी की शिक्षा ली। उन्होंने जर्मनी में भी कार्य किया।

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। लखनऊ मॉडल कालेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के अंतर्गत श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, सूर्यनगर, राजाजीपुरम, लखनऊ के प्रांगण में लोहड़ी के उपलक्ष्य में संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सांस्क्रतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रबन्धक अवधेश सिंह, कार्यकारिणी समिति की सदस्या मुन्नी देवी, निदेशक डा० अमित सिंह एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डा० विजया आर वर्मा द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्राचार्या डॉ विजया आर वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन रवनीत कौर के द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्राओं को संगीत आधारित खेल खेलने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके साथ ही संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में बी. एड. की सलोनी भारद्वाज को प्रथम पुरस्कार, प्रतीक्षा सिंह को द्वितीय पुरस्कार एवं बी.एल.एड. की गुन खत्री को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह संस्थान के निदेशक डा0 अमित सिंह एवं प्राचार्या विजया आर वर्मा के कर कमलों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एम.एड., बी.एड., डी.ल.एड., बी.एल.

एड. बी०ए० एवं बी०काम0 की छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम को सफल एवं मनमोहक बनाने में अमरजीत कौर, अनन्या मिश्रा, रवनीत कौर एवं जीनत परवीन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिक्षकगण में डा० शिवाकान्त श्रीवास्तव, डॉ मंजेश कुमार, विजय कुमार मिश्रा, अभिषेक वर्मा, अंजू सिंह, मनीषा पाण्डेय, गरिमा सिंह, माधव कुमार राय, जितेन्द्र कु० मंडल, वैशाली देवल, शिल्पी विश्वकर्मा, पदमा त्रिपाठी, शालिनी सिंह साथ ही कार्यालय कर्मचारी कमलेश कुमार, सुधीर त्रिपाठी, हर्षित कुमार इत्यादि की उपस्थिति सराहनीय रही।

थाना सिंगरामऊ पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार : कब्जे से 10 लीटर देशी शराब बरामद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अजय साहनी, पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियो व वांछित व वारण्टी अभि0गणों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर के निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष कमलेश कुमार के निर्देश में उ0नि0 श्री शशिकान्त चौबे मय हमराह के देखभाल क्षेत्र व गश्त के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर अभि0 राममिलन पुत्र स्व0 मंगरू राम निवासी सवराई थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ के कब्जे से 10 लीटर देशी शराब, हरिहरपुर नहर पुलिया से दिनांक–16.01.2023 को बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही का जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1.राममिलन पुत्र स्व0 मंगरू राम निवासी सवराई थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़। पंजीकृत अभियोग– सम्बन्धित मु0अ0सं0–005/23 धारा 60 EX ACT थाना सिगरामऊ जौनपुर । बरामदगी– 1.10 लीटर नाजायज अवैध शराब बरामद । गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.थानाध्यक्ष श्री कमलेश कुमार थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर । 2. उ0नि0 श्री शशिकान्त चौबे थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर । 3.हे0का0 बाबूलाल यादव, का0 भीम कुमार थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर।

शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नित्य ध्यान लगाएं –डॉ एम एल गुप्ता

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल, बरुआ बाजार,शहाबाद में हर घर ध्यान अभियान का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर डाक्टर एम एल गुप्ता ने कहा कि निष्काम भाव से कर्म करने से जीवन शांतिमय बनता है।मानसिक पीड़ा का कारण बहुत ज्यादा सोचना है।स्ट्रेस में रहेंगे तो मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। पूजा उपासना में आराध्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रकाश स्वरूप परमेश्वर का ध्यान लगाकर जीवन शांतिमय बनाएं। महावीर सिंह ने बताया कि ध्यान लगाने से बुद्धि तीव्र होती है।विवेक जाग्रत होता है। ज्ञान,ध्यान और भक्ति के इस कार्यक्रम में हर घर ध्यान आभियान के संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों को 'ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य' (मेडिटेशन एंड मेंटल हेल्थ) पर सत्र आयोजित करने के लिए कहा है। यूजीसी के सचिव रजनीश जैन ने एक सर्कुलर में लिखा, 'उच्च शिक्षा संस्थान, विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध कॉलेजों/संस्थानों से अनुरोध है कि छात्रों और संकाय सदस्यों को सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के समाधान के रूप में ध्यान शुरू करके इस कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करें। सर्कुलर के अनुसार, मेडिटेशन कार्यक्रम को संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हर घर ध्यान अभियान के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है, जो 'आजादी का अमृत महोत्सव' का एक हिस्सा है.'इसके साथ ही यूजीसी ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को 'मेडिटेशन एंबेसडर' नियुक्त करने के लिए भी कहा है। हर घर ध्यान अभियान के उद्देश्य के बारे में यूजीसी के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार

ने जारी सर्कुलर में उल्लेख किया है कि आज हम सभी विभिन्न प्रकार के तनावों से गुजर रहे हैं, जैसे काम का दबाव या परीक्षा संबंधित दबाव। इसलिए, शारीरिक फिटनेस के साथ–साथ हमें मेडिटेशन का अभ्यास करने की भी आवश्यकता है, जो वैज्ञानिक रूप से साबित हो चुका है कि यह हमारे दिमाग को शांत करता है और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। 'मेडिटेशन में सामान्य ब्रीदिंग एक्सरसाइज होती है. हमें इसे बहुत जटिल नहीं बनाना चाहिए. इसके पीछे का विचार यही है कि सभी को मेडिटेशन के बारे में बताया जाए। महाविद्यालय विद्यार्थी परिषद प्रमुख विशाल द्विवेदी ने एक आराध्य हो,और प्रकाश स्वरूप परमेश्वर में ध्यान सुबह शाम और रात्रि में लगाएं। हर घर ध्यान आभियान का शुभारंभ डॉक्टर एम एल गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस कार्यक्रम में स्ट्रॉन्ग रूट्स प्री स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद रस्तोगी, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नवनीत गुप्ता,मेला अध्यक्ष उमेश गुप्ता,रोहित गुप्ता, सुतीक्षण राठौर,रमाकांत मौर्य, संजय अग्निहोत्री, पंकज सिंह,शनि श्रीवास्तव सहित अनेक सत्संगी उपस्थित रहे।

अप्रैल से गाय और कुत्ता पालना होगा महंगा : बढ़ेगी लाइसेंस फीस : जानवरों में लगाई जाएगी खास चिप

लखनऊ ब्यूरो : अप्रैल से गाय और कुत्ता पालना महंगा हो जाएगा। एक व्यक्ति लाइसेंस लेकर अधिकतम दो कुत्ते ही पाल सकेगा। खास बात है कि ये लाइसेंस चिप वाले होंगे। वहीं,पालतू पशुओं के लिए क्लीनिक, ब्रीडिंग सेंटर व पेट्स स्टोर चलाने के लिए भी नगर निगम से लाइसेंस लेना अनिवार्य हो जाएगा। यह व्यवस्था पहली बार लागू होगी। इनके लिए भी अप्रैल से लाइसेंस बनाए जाएंगे। नगर निगम सदन में लिए गए निर्णयों पर अमल के लिए महापौर संयुक्ता भाटिया ने कार्रवाई रिपोर्ट जारी कर दी है। विभागीय स्तर पर निर्णयों को लागू करने के लिए नगर आयुक्त की ओर से आदेश इसी सप्ताह जारी कर दिया जाएगा। नगर निगम सदन की 17 नवंबर को हुई बैठक में गाय पालने के लिए लाइसेंस शुल्क 30 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये करने को मंजूरी दी गई थी। इसी तरह विदेशी नस्ल के कुत्तों का लाइसेंस शुल्क पांच सौ रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये किया गया था। सदन ने देशी नस्ल के कुत्तों का लाइसेंस शुल्क यथावत दो सौ रुपये सालाना रखा था। वहीं, सदन ने एक व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा दो कुत्ते

पालने का ही लाइसेंस दिए जाने की मंजूरी दी थी। इसको लेकर यह तर्क दिया गया था कि एक घर में अधिक कुत्ते होने से आसपास वालों को परेशानी होती है। कुत्तों का लाइसेंस चिप वाला होने से उन्हें ट्रैक करना आसान होगा। ये चिप चावल के दाने के बराबर होंगे। चिप में कुत्ते की नस्ल, मालिक का ब्योरा होगा। ये चिप कुत्ते की त्वचा पर लगाए जाएंगे।

खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण की तिथि 17 से 18 जनवरी 2023 तक विस्तारित किये जाने का लिया गया निर्णय

जौनपुर सू.वि. : जिला पूर्ति अधिकारी संतोष कुमार शाही ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत माह–जनवरी, 2023 के प्रथम चक्र में माह–नवम्बर, 2022 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण की तिथि 06 जनवरी 2023 से 16 जनवरी 2023 तक निर्धारित की गयी थी, किन्तु जनपद के उचित दर विक्रेताओं को निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत खाद्यान्न का निर्गमन न होने के कारण जनपद के समस्त लाभार्थियों को उपरोक्त वस्तुओं का वितरण 16 जनवरी 2023 तक कराया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में शासन के वितरण की तिथि 17 जनवरी 2023 से 18 जनवरी 2023 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किग्रा0 खाद्यान्न (14 किग्रा0 गेहूं तथा 21 किग्रा0 चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्डों से सम्बद्ध यूनिटों पर 05 किग्रा0 खाद्यान्न प्रति यूनिट (02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा० चावल) का निःशुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा। खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। उक्त योजना के वितरण की अन्तिम तिथि 18 जनवरी 2023 होगी। अतः पूर्व निर्धारित तिथि 16 जनवरी 2023 एवं 18 जनवरी 2023 को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जा सकेगा। तत्क्रम में जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वे पूर्व में जारी सोशल डिस्टेन्सिंग के निर्देशो का पालन कराते हुए हुए 18 जनवरी 2023 तक नियमानुसार लाभार्थियों/राशनकार्डधारकों में खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की उपस्थिति में करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अपनी उचित दर दुकानों पर उक्त योजना के सम्बन्ध में इसकी सूचना चस्पा करेंगे, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रह जाये।

एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में हुआ कम्बल वितरण एवं छात्रों ने इंडियन आर्मी डे पर वीर सेनारियों को किया याद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। प्रतिवर्ष की भाँति एसकेडी एकेडमी के प्रबन्धन ने बढ़ती ठण्डक को देखते हुए अपनी सभी शाखाओं में जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एसकेडी सिंह , निदेशक मनीष सिंह सभी प्रधानाचार्या एवं स्टाफ उपस्थित रहे। साथ ही एकेडमी के छात्रों ने इंडियन आर्मी दिवस मनाया। इस सुअवसर पर संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें हमारे वीर जवानों पर गर्व है जो किसी भी कठिन परिस्थितियों

में सजग रहकर दिन रात पूरे देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। हम उनकी वीरता एवं अदम्य साहस के लिए पूरी श्रद्धा से उनका अभिवादन करते हैं।

सासंद डिंपल यादव के जन्मदिन पर केराकत विधायक तूफानी सरोज द्वारा गरीबों को बाटा गया कंबल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सासंद डिंपल यादव के जन्मदिन के अवसर पर केराकत विधायक तूफानी सरोज ने विधानसभा क्षेत्र के नरहन गांव में गरीबों को कंबल बाटा और कहा आज डिंपल यादव का जन्मदिन है और उनके दीर्घायु की कामना करते हैं उनके द्वारा जिस तरह समाजवादी पार्टी की सरकार में महिलाओं के प्रति सचेत रहकर महिलाओं के सुरक्षा तथा तमाम योजना चलाई गयी थी लेकिन भाजपा सरकार महिला के हित के बारे में नहीं सोचता डिंपल यादव एक ऐसी महिला है जो निर्विरोध सांसद रही हैं और वर्तमान समय में मैनपुरी की सांसद है वह संसद में जब भी बोलती है तो महिलाओं की आवाज देश तक सुनाई देती है वह एक ऐसी सांसद हैं जो लगातार महिलाओं के दुख दर्द को साझा करती है और उसके निस्तारण के लिए संघर्ष करती रहती है आज उनका जन्मदिन हम लोग रुमहिला सम्मान दिवसरुके रूप में मनाया जायेगा अगर महिलाओं को सबसे ज्यादा सम्मान दिलाने का काम किसी ने किया वह डिंपल यादव है हम उनके जन्मदिन पर उनको

हार्दिक बधाई देते हैं दीर्घायु की कामना करते हैं वहीं गरीबों को जन्मदिन के अवसर पर कंबल मिलने पर सबके चेहरे खिल गए और सब लोगों ने महिला सम्मान दिवस के रूप में डिंपल यादव के जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया जन्मदिन के अवसर पर मुख्य रूप से भगवती चन्द सरोज सुरेश यादव डॉक्टर हरिराम यादव पवन मंडल मनोज चौहान नीरज सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

कानून के अध्ययन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाये जाने की मांग को सरकार तक पहुंचाई जायेगी– लक्ष्मण आचार्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जौनपुर आगमन पर सदस्य विधान परिषद व उपनेता विधायक दल लक्ष्मण आचार्य को कानून के ज्ञान को मौलिक अधिकार का दर्जा दिलाने की मांग करने वाले युवाओं का समूह अधिवक्ता विकास तिवारी व अतुल सिंह की अगुवाई में अम्बेडकर तिराहा दीवानी न्यायालय के पास काफिले को रोककर पत्रक दिया।तथा मांग किया की कानून का ज्ञान बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा संसद में एक विधेयक स्वीकृत करके देश भर में प्राथमिक शिक्षा स्तर से ही कानून के विषय को जोड़कर प्राथमिक एवं उच्चतर प्राथमिक स्तर से ही कानून के ज्ञान की ओर बच्चों का ध्यानाकर्षित कराया जाय। साथ ही केंद्रीय सरकार द्वारा कानून का मौलिक अधिकार सम्बन्धित विधेयक बनाकर प्राथमिक शिक्षा के साथ मैट्रिक,हाईस्कूल, बारहवीं तक पाठ्यक्रम में कानून के विषय को सम्मिलित करने का अनुदेश पारित कर कानून की जानकारी को आम नागरिक की मानसिकता में स्थापित करने का प्रयास किया जाय।तथा एक आम नागरिक के कानून के अधिकार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्रीय सरकार अथवा संसद गैर–सरकारी संगठन के पंजीकरण हेतु बने अधिनियम यानी सोसाइटी अधिनियम (21) 1860 को एक संशोधन विधेयक के माध्यम से संशोधित करके यह निर्देश भी जारी करे की प्रत्येक गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) आम नागरिकों को कानून

सम्बन्धित जानकारी देने हेतु बाध्य हैं एवं इस सरकारी अनुशंसा का अनिवार्य रूप से अनुपालन हों। पत्रक देते हुए विकास तिवारी व अतुल सिंह ने कहा कि आप प्रधानमंत्री वाराणसी के सांसद प्रतिनिधि हैं।इसलिए आपकी जिम्मेदारी है कि देश के प्रत्येक सदस्य को अपने समाज के सामाजिक और संवैधानिक नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी हो इसकी पहल करें। सरकार का यह दायित्व भी है कि वह अपने आदर्श एवं जिम्मेदार नागरिक को कानून की जानकारी दें। उक्त पत्रक के संदर्भ में श्री आचार्य ने कहा की पत्रक के माध्यम से संज्ञान में लायी गयी मांगों को यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही हेतु उचित पटल तक पहुंचाया जायेगा। पत्रक देने वालो में प्रमुख रूप से विकास तिवारी,अतुल सिंह,देवेश मौर्य बंधु,विपिन सिंह,आशीष उपाध्याय, अवनीन्द्र यादव,निर्भय सिंह,अंकित यादव आदि उपस्थित रहें।

स्वच्छ गोमती अभियान अध्यक्ष गौतम गुप्ता द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में किया गया प्रेस वार्ता

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : स्वच्छ गोमती अभियान अध्यक्ष गौतम गुप्ता द्वारा प्रेस वार्ता कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में किया गया। उन्होंने कहा कि स्वक्ष गोमती अभियान नमामि गंगे अमृत योजना में व्याप्त बेहद तकनीकी व वित्तीय भ्रष्टाचार को लेकर लम्बे समय से आवाज उठाती आ रही हमने पहले भी प्रेस के माध्यम से भ्रष्टाचारी जलनिगम को चेताया था कि सीवर जाने के दौरान उसकी प्रेवलिंग, टिम्बरिंग इत्यादि मानकों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. पाइप भी बेहद निम्न गुणवत्ता की डाली जा रही जिसके फलस्वरूप इस कार्य का आगे सफल हो पाना एकदम असम्भव है। यदि समय रहते इस गम्भीर मुद्दे पर विभाग व जिला प्रशासन ने कार्यवाही की ऐसे सड़क की दुर्दशा न होती, यूपी की बेहद ईमानदार योगी सरकार को बट्टा लगाने की नीयत से जलनिगम जौनपुर व गंगा यूनिट वाराणसी कार्य कर रही है। जल निगम के अधिशासी अभियंता सचिन सिंह व गंगा यूनिट के प्रोजेक्ट मैनेजर पूर्व में इन गडबडियों से अवगत करा दिया गया था, समूके शहर में अब तक लगभग अलग–अलग 15 स्थानों पर सीवर डाले जाने के बाद सड़के धस चुकी है अभी भी कोई बड़ी अनहोनी होने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में गोमती अभियान जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से आग्रह करेगा वनमामि गंगे योजना में व्याप्त इस बेहद गम्भीर तकनीकी व वित्तीय धार के विषय का संज्ञान ग्रहण कर सभी आरोपी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर से जिससे आगे से ये विभाग व अधिकारी उ०प्र० की ईमानदार व पर जीरो टॉलरेंस की नीति वाली भाजपा सरकार को बदनाम करने की नीयत से काम करने का साहस न करें।

थाना बदलापुर पुलिस द्वारा 1.100 किलो गांजा के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, श्री अजय कुमार साहनी द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी बदलापुर श्री शुभम तोदी के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पाण्डेय मय हमराही कर्मचारियों के साथ अवैध वाहन/संदिग्ध व्यक्तियों की चेंकिग के दौरान मुखबीर की सूचना पर कठार नहर पुलिया के पास दिनांक 15.01.23 संदिग्ध व्यक्ति धर्मेन्द्र खरवार पुत्र रामजीत उर्फ जीतलाल निवासी ग्राम शाहपुर हथियावा, बरईपार थाना सिकरारा जनपद जौनपुर की चेकिंग के दौरान कब्जे से 1.100 किलो मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। अवैध मादक पदार्थ की बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1. धर्मेन्द्र खरवार पुत्र रामजीत उर्फ जीतलाल निवासी ग्राम शाहपुर

हथियावा, बरईपार थाना सिकरारा, जौनपुर। बरामदगी– 1.100 किलो नाजायज गांजा। अपराधिक इतिहास– 1.मु0अ0सं0 175/2022 धारा 323/393 भादवि थाना बक्सा जौनपुर। 2.मु0अ0सं0 010/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना बदलापुर जौनपुर। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम – 1–प्रभारी निरीक्षक बदलापुर श्री संतोष कुमार पाण्डेय। 2– उ0नि0 अनिल कुमार चौकी प्रभारी घनश्यामपुर थाना बदलापुर जौनपुर। 3–हे0का0 छद्दू यादव थाना बदलापुर, जौनपुर। 4–का0 शरद प्रसाद, का0 आशुतोष तिवारी थाना बदलापु, जौनपुर।

मा0 वि0 लिपिक भर्ती : स्कूलों में पीईटी के सामान्यीकृत अंक के आधार पर होगा चयन

लखनऊ ब्यूरो : सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में चल रही लिपिक भर्ती में साक्षात्कार के लिए प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में प्राप्त सामान्यीकृत अंक (नार्मलाइज्ड स्कोर) के आधार पर अर्ह अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा। इससे पहले नवंबर 2021 में जारी भर्ती प्रक्रिया के निर्देशों में सिर्फ

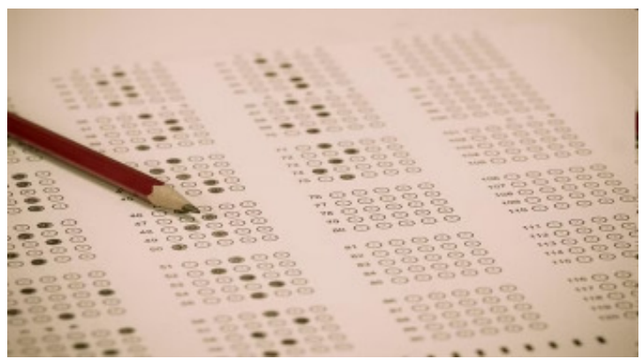

पीईटी के परसेंटाइल स्कोर के आधार पर टंकण परीक्षा में अभ्यर्थियों को बुलाने को कहा गया था। विभिन्न जिलों से अंक गणना पर सवाल उठने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने नए निर्देश जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने इस संबंध में उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से राय मांगी थी। वहां से बताया गया है कि पीईटी–2021 की लिखित परीक्षा दो पालियों में हुई थी। इसलिए परीक्षा के सामान्यीकृत अंक के आधार पर चयन संबंधी आगे की कार्रवाई की जाए। ऐसे होगा चयन विभागीय अधिकारियों के अनुसार एडेड विद्यालयों की लिपिक भर्ती में पीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को आवेदन का अधिकार दिया गया है। टंकण परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को अब नए निर्देशों के तहत पीईटी में प्राप्त सामान्यीकृत अंक के आधार पर साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। बता दें, पीईटी में अभ्यर्थियों को वास्तविक, सामान्यीकृत और परसेंटाइल अंक दिए जाते हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा दशमोत्तर कक्षाओं हेतु छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति का समय–सारिणी निर्गत

जौनपुर सू.वि. : जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन के पत्र द्वारा एवं निदेशालय समाज कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में जनपद में संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि कक्षा 11–12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत शैक्षिक सत्र 2022–23 के लिए आनलाइन आवेदन पत्रों की त्रुटियों को ठीक करने हेतु समय–सारिणी निर्गत की गयी है, 19 से 27 जनवरी 2023 तक सन्देहास्पद डाटा को कारणों सहित छात्र/छात्राओं के लागिन पर प्रदर्शित किया जाना एवं आनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को छात्र द्वारा ठीक किया जाना, आवेदन पत्र भरने के पश्चात विलम्बतम 30 जनवरी 2023 तक छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की त्रुटियों को ठीक करके हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नको सहित शिक्षण संस्था में जमा किया जाना, 20 जनवरी 2023 से दिनांक 02 फरवरी 2023 तक त्रुटियों को ठीक करके छात्र द्वारा जमा किये गये आवेदन पत्रों का विद्यालय द्वारा संलग्न अभिलेखो से मिलान करके ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना है। उन्होंने समस्त शिक्षण संस्थाओं/संस्थाओं के नोडल अधिकारियों को इस निर्देश के साथ कि उपरोक्त समय–सारिणी के अनुसार अपनी–अपनी संस्थाओं के छात्र/छात्राओं को सूचित करते हुए कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

डीयू के प्रो. अविनाश नहीं रहे : पीयू में दी गई भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में पूर्व में कार्यरत (2009 तक) प्रो. अविनाश कुमार जी का रविवार को सांयकाल हृदय गति रुकने से निधन हो गया। इस संबंध में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के संकाय अध्यक्ष ने प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विभाग में शोक सभा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने

कहा कि प्रोफेसर अविनाश बहुत मृदभाषी थे। विश्वविद्यालय में बहुत ही कम समय में उन्होंने विद्यार्थियों के बीच अपनी अच्छी पहचान बनाई थी।दिल्ली विश्वविद्यालय में रहने के बाद भी उनका लगाव पूर्वांचल विश्वविद्यालय से था यहां के कार्यक्रमों में अक्सर वह प्रतिभाग करते थे। डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि अध्ययन अध्यापन के क्षेत्र में भी उन्होंने काफी प्रसिद्धि पाई। वर्तमान में वह दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष थे। इस अवसर पर डॉ मनोज पांडेय, डॉ अनु त्यागी समेत विभाग के विद्यार्थी शामिल थे।

थाना बरसठी पुलिस द्वारा 01 वाँछित अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अजय साहनी, पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ के कुशल पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष बरसठी जौनपुर के कुशल संचालन में उ0नि0 धर्मदेव प्रसाद मय हमराह के मु0अ0सं0 49/22 धारा 363/366 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट में वाँछित अभियुक्त की गिरफ्तारी तलाश में क्षेत्र में मौजूद थे कि जरिए मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त सचिन मौर्य पुत्र जयप्रकाश मौर्य नि0 देवदासपुर थाना सुरियांवा जनपद जौनपुर को निगोह बाजार आज दिनांक 16.01.2022 को कारण जुर्म बताते हुए अन्तर्गत धारा 363ध्366 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार किया गया। व मुकदमा उपरोक्त की अपहृता को बरामद किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1.सचिन मौर्य पुत्र जयप्रकाश मौर्य नि0 देवदासपुर थाना सुरियांवा जनपद जौनपुर। पंजीकृत अभियोग– 1.मु0अ0सं0 49/22 धारा 363/366 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट थाना बरसठी जनपद जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 धर्मदेव प्रसाद थाना बरसठी जनपद जौनपुर। 2.का0 दुर्गेश गौड़, का0 नरेन्द्र कुमार, म0का0 पूजा शर्मा थाना बरसठी जनपद जौनपुर।

थाना लाइन बाजार पुलिस टीम ने 05 अंतर्जनपदीय मोटरसाइकिल चोरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अजय साहनी, पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में, डा0 संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व श्री कुलदीप गुप्ता, क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में श्री आदेश त्यागी, प्रभारी निरीक्षक थाना लाइनबाजार मय हमराह पीलीकोठी तिराहा पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग के दौरान नाथुपुर की तरफ से दो मोटरसाइकिल पर दो दो व्यक्ति तथा एक मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल चलाते हुए आये। इन मोटरसाइकिल सवारों को रूकने का इशारा किया गया तो वापस मुड़कर भागना चाहे की आपस में टकराकर गिर पडे जिसे पुलिस टीम द्वारा घेरकर पकड़ लिया गया। पकडे गये व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछा गया व वाहन का प्रपत्र मांगा गया तो नही दिखा सके। कड़ाई से पूछताछ करने पर बताए की साहब हम लोग जौनपुर में अलग अलग जगह से इन गाडियों की चोरी किये हैं तथा बेचने जा रहे थे कि आप लोगों ने पकड़ लिया। कड़ाई से पूछताछ पर बताये कि श्यामनारायण दुबे के घर पर 06 चोरी के मोटरसाइकिल छिपाकर रखे हैं तथा गोविन्द और चौनू निषाद के पास भी कुछ मोटरसाइकिल रखा हुआ है। पकडे गये व्यक्तियों के बातों पर विश्वास करके हम पुलिस वाले श्यामनारायण दूबे के घर पर आये जहाँ से 06 मोटरसाइकिल बरामद हुआ। अभियुक्तगण को उनके अपराध का बोध करा कर गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त– 1.श्याम नारायण दूबे पुत्र धर्मनाथ दूबे नि0ग्राम घुरहुरपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर। 2.शनि पाठक पुत्र राजनारायण पाठक नि0ग्राम घुरहुरपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर। 3.शहाबुद्दीन उर्फ गुड्डू पुत्र निजामुद्दीन नि0ग्राम घुरहुरपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर। 4.परमवीर उर्फ पम्मी पुत्र शिवनारायण नि0ग्राम सिधौना थाना खानपुर जनपद गाजीपुर। 5.शिप्पू पुत्र स्व0

योगेन्द्र नाथ पाठक नि0ग्राम घुरहुरपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण– चोरी की 09 मोटरसाइकिल 1.UP50 BD 0698 2. UP 62 BK 7554 3. UP 62 BJ 5832 4. UP 65 DY 5170 5. UP 62 AJ 1127 6. UP 62 AB 4784 7- UP 62 AY 6142 बिना नम्बर प्लेट के दो वाहन 1.इंजन नं0 JC71ET3058058 2.इंजन नं0 JA05ECG9DO3854। आपराधिक इतिहास– 1.मु0अ0सं0–29/23 धारा– 379/411/413/414/419/420/467/468/471 आईपीसी थाना लाइनबाजार जौनपुर। 2.मु0अ0सं0–9/23 धारा–379 भा0द0वि0 थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर । 3.मु0अ0सं0–387/2022 धारा–379 आईपीसी थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर । 4.मु0अ0सं0–398/22 धारा–379 आईपीसी थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर । 5.मु0अ0सं0–425/22 धारा–379 आईपीसी थाना फूलपुर जनपद वाराणसी । 6.मु0अ0सं0–79/21 धारा–379 आईपीसी थाना सिकरारा जनपद जौनपुर गिरफ्तारी बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.श्री आदेश कुमार त्यागी, प्रभारी निरीक्षक थाना लाइनबाजार जौनपुर । 2.निरीक्षक जयप्रकाश यादव, थाना लाइनबाजार जौनपुर । 3.उ0नि0 आशुतोष कुमार गुप्ता, चौकी प्रभारी टी0डी0 कालेज थाना लाइनबाजार जौनपुर। 4.उ0नि0 गिरीश कुमार मिश्रा, थाना लाइनबाजार जौनपुर। 5.हे0का0 मनीष सिंह, हे0का0 भाईलाल सोनकर, हे0का0 अजीत दुबे, का0 सुधीर कुमार, का0 धर्मेन्द्र कुमार, का0 विजय प्रकाश का0 आनन्द कुमार थाना लाइनबाजार जौनपुर।

थाना लाइन बाजार व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह के 06 सदस्य हुए गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अजय साहनी, पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा थाना लाइन बाजार पर पंजीकृत मु0अ0सं0–24/23 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120 बी भादवि के विवेचना के क्रम में टीम गठित कर अपराध में सम्लित अभियुक्तों कि गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया था जिसके क्रम में श्री आदेश त्यागी, प्रभारी निरीक्षक थाना लाइनबाजार मय हमराह व उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी मय हमराह व उ0नि0 रामजनम यादव प्रभारी सर्विलांस के साथ धन्नेपुर चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग कर रहे थे कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि धन्नेपुर चौराहे पर मौर्या मेडिकल के बगल में पाल साहब के मकान में कुछ लोग नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे लेते हैं तथा फर्जी नियुक्ति पत्र देते हैं। इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस टीम मुखबिर के साथ पाल साहब के मकान पर पहुँची। उच्चाधिकारियों के निर्देश व नियमानुसार कार्यवाही करते हुए मकान की तलाशी ली गई तो कुछ व्यक्ति व महिला मिली जिनसे उनका नाम पता पूछा गया तथा कमरे से ही 12 मोबाइल 03 गूगल–पे बार कोड, 03 बैग में नौकरी दिलाने वाले विज्ञापन पम्पलेट, एक बैग मे कुल 210 फर्जी भरा हुआ फार्म, 12 एटीएम, 04 मोहर, एक मोहर पैड 01, वाईफाई एयरटेल राउटर, 04 फर्जी आईडी पर बनी सीम, तलाशी के 4615 रुपये तथा आफिस के बाहर खडा एक मोटर साइकिल व 01 अल्टो मारुती कार बरामद हुई। कड़ाई से पूछताछ पर पकडे गये अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग जनपद जौनपुर व आसपास के जनपद में विभिन्न कम्पनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर पम्पलेट छपवाकर सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर देते हैं, जब पम्पलेट पर छपे हुए मोबाइल नम्बरों पर काल आती है तो रजिस्ट्रेशन के नाम पर दिल्ली के रहने वाले मो0 सोएब के मो0नं0 दृ 9058387535 तथा कानपुर के अनुराग कुमार के मो0नं0 दृ 9260902553 पर फोन पे के माध्यम से पैसा मंगाते हैं, तथा फर्जी नियुक्ति पत्र जरिए व्हाट्सएप भेज देते है तथा ड्रेस व ट्रेनिंग के नाम पर और पैसे की मांग करते है, तथा पैसा मिलने के बाद ज्वाइनिंग मांगने पर समय देकर टालमटोल करते रहते है, जब काफी पैसा इकठ्ठा हो जाता है तब हम लोग आफिस बन्द करके भाग जाते हैं तथा इस्तेमाल किए सिम को बन्द कर तथा पुनः दूसरे जनपद में फर्जी आईडी से नया सिम लेकर पुनः कार्य शुरू करते है। पकडे गये अभियुक्तों को उनके अपराध का बोध कराकर हिरासत पुलिस लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है तथा उपरोक्त अभियुक्तों के द्वारा किए गए अन्य जनपदों में किए गए अपराधों से सम्बन्धित अभियोगों की जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता– 1.

पंकज कुमार पुत्र महन्तु मौर्या निवासी मेवपुर थाना कदौली कला जनपद सुल्तानपुर। 2.सत्यप्रकाश पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी गौहनिया थाना गोसाइंगंज जिला आयोध्या। 3.अंकूर कुमार पुत्र त्रिलोकीनाथ निवासी अखईपुर थाना इब्राहिमपुर जनपद अम्बेडकर नगर। 4.पियूष पाल पुत्र सुबेदार पाल निवासी पटखौली थाना केराकत जनपद जौनपुर। 5.पूनम सरोज पुत्री स्व0 राजनरायन सरोज निवासी अकबेलपुर थाना जहानागंज जनपद आजमगढ। 6.प्रियका राजभर पुत्री रामजनत राजभर निवासी सुग्घी थाना जहानागंज जनपद आजमगढ। बरामदगी का विवरण दृ 1.12 मोबाईल, 03 गूगल–पे बार कोड, 03 बैग में नौकरी दिलाने वाले विज्ञापन पम्पलेट, एक बैग मे कुल 210 फर्जी भरा हुआ फार्म, 12 एटीएम, 04 मोहर, एक मोहर पैड, 01 वाईफाई एयरटेल राउटर, 04 फर्जी आईडी पर बनी सीम, तलाशी के 4615 रुपये तथा आफिस के बाहर खडा एक मोटर साइकिल व 01 अल्टो मारुती कार। पंजीकृत अभियोग – 1.मु0अ0सं0 24/23 धारा–419, 420, 467, 468, 471, 120 बी भादवि थाना लाइन बाजार जौनपुर। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.श्री आदेश कुमार त्यागी, प्रभारी निरीक्षक थाना लाइनबाजार जौनपुर। 2.निरीक्षक जयप्रकाश यादव थाना लाइनबाजार जौनपुर। 3 श्री मनोज कुमार सिंह, प्रभारी एसओजी टीम जौनपुर। 4.श्री रामजनम यादव, प्रभारी सर्विलांस जौनपुर। 5. व0उ0नि0 कमलेश कुमार, थाना लाइनबाजार जौनपुर । 6.उ0नि0 चन्दन राय, थाना लाइनबाजार जौनपुर। 7.उ0नि0 आशुतोष कुमार गुप्ता , चौकी प्रभारी टी0डी0 कालेज थाना लाइनबाजार जौनपुर। 8. हे0का0 रोशन कुमार, का0 बृजेश कुमार , म0का0 ज्योति सिंह , म0का0 कविता थाना लाइनबाजार जौनपुर । 9.हे0का0 विनय सिंह, हे0का0 औरंगजेब खां, का0 सत्यप्रकाश राय हे0का0 अखिलेश चौधरी एसओजी टीम जौनपुर।

थाना गौराबादशाहपुर पुलिस ने एक वारण्टी को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अजय साहनी,पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध व वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन मे थाना गौराबादशाहपुर पुलिस बल द्वारा मा0 न्यायालय जौनपुर द्वारा निर्गत वारण्ट जारी की गयी जिसके अनुपालन मे वारंटी अनिल पुत्र तेजू निवासी सुरैला थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर सम्बन्धित मु0न0 162/15 धारा 323/325/504 भा0द0वि0 को उसके घर स्थित ग्राम सुरैला से दिनांक 16/01/2023 को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार शुदा वारण्टी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार वारण्टी का नाम व पता– 1.अनिल पुत्र तेजू निवासी सुरैला थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर। गिरफ्तार टीम करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 शिवराज सिंह यादव थाना गौराबादशाहपुर, जौनुपर। 2.हे0का0 सुरेन्द्र सिंह, का0 अनीस कुमार थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर।

बस अड्डे पर दिनदहाड़े चाकू की नोंक पर महिला कंडक्टर से लूट : टिकट मशीन सहित रुपये ले गए

प्रयागराज ब्यूरो : सिविल लाइंस में रोडवेज बस अड्डे पर सनसनीखेज वारदात हुई। चाकू की नोंक पर महिला कंडक्टर रंजना देवी (35) से 3500 नकद, टिकट मशीन (ईटीआईएम), मोबाइल समेत अन्य दस्तावेजों से भरा बैग लूटकर चार बदमाश भाग निकले। पीड़ित की ओर से तहरीर दी गई। उधर सिविल लाइंस पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। पीड़िता का आरोप है कि थाने जाने पर उससे कहा गया कि लूट की जगह चोरी की तहरीर लेकर आओ। मूल रूप से कानपुर के सजेती थाना स्थित सवाईपुर धमराबुजुर्ग की रहने वाली रंजना वर्मा पत्नी शिवकुमार रोडवेज में परिचालक है। वह लगभग छह साल से लखनऊ में तैनात हैं। रविवार दोपहर 1.30 बजे के करीब चारबाग डिपो की बस लेकर वह सिविल लाइंस बस अड्डे पर पहुंचीं। इसके बाद ड्राइवर रामकिशोर (निवासी प्रतापगढ़) नवाब यूसुफ रोड साइड में बस खड़ी कर चाय पीने चला गया। जबकि, कंडक्टर रंजना बस में बैठी रही। रंजना ने बताया कि करीब 3.30 बजे चार युवक आए और पूछा कि बस कहां जाएगी। उसके यह कहने पर कि बस लखनऊ जाएगी तो चारों भीतर आकर बैठ गए। कहा कि उन्हें रायबरेली तक जाना है। पांच मिनट ही बीते होंगे कि चारों ने उसे घेर लिया और बैग छीनने लगे। विरोध करने पर चाकू निकाल लिया और बैग छीन लिया। इसके बाद बदमाश बस से उतरकर नवाब यूसुफ रोड की ओर भाग निकले। जाने से पहले धमकी दी कि शोर मचाया तो जान से मार देंगे। बदमाशों के भागने के बाद कंडक्टर ने शोर मचाकर ड्राइवर को बुलाया और घटना की जानकारी दी। ड्राइवर ने पहले अपने फोन से 112 नंबर पर कॉल की। कॉल कनेक्ट न होने पर उसने कार्यालय में जानकारी दी तो रोडवेज अफसर आ गए। इसके बाद सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। दिनदहाड़े घटना से वहां सनसनी फैल गई। कंडक्टर से पूछताछ के बाद पुलिस तलाश में लगी रही, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह यादव ने घटना से इंकार किया। कहा कि महिला कंडक्टर झूठी शिकायत कर रही है। उसने बैग कहीं गिरा दिया है या उससे बैग गुम हो गया है। इस मामले में देर रात तक एफआईआर नहीं दर्ज हो सकी थी। पुलिस की ओर से घटना को फर्जी बताए जाने को लेकर महिला कंडक्टर से बात की गई तो उसने बताया कि वह थाने तहरीर लेकर गई थी। वहां पुलिसवालों ने कहा कि तहरीर से चाकू व लूट की बात हटाकर चोरी की तहरीर लाओ, तब मुकदमा दर्ज होगा। इंकार करने पर उसे वापस भेज दिया गया। रात में एक बार फिर वह थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराने को प्रयासरत रही। दहशत में कांपती रही कंडक्टर वारदात के बाद महिला कंडक्टर इस कदर दहशत में थी कि वह कांपती रही। हाल यह था कि पूछताछ में वह पुलिसकर्मियों को ठीक ढंग से जवाब भी नहीं दे पा रही थी। उसने बताया कि बदमाश जो बैग लूटकर ले गए, उसमें टिकट मशीन के अलावा मैनुअल टिकट, बिक्री के 3500 रुपये के अलावा मार्ग पत्र, कंडक्टर एक्सट्रैक्ट फॉर्म, ड्यूटी स्लिप व मोबाइल भी रखा था। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। उनका कहना है कि महिला ने बताया है कि वारदात के बाद बदमाश भागते हुए गए। जबकि सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोग पैदल जाते हुए दिखे हैं। फिलहाल जांच पड़ताल की जा रही है। – श्वेताभ पांडेय, एसीपी सिविल लाइंस विभागीय जांच कराई जा रही है। जांच एआरएम प्रयाग को सौंपी गई है। – सीबी राम, एआरएम सिविल लाइंस

तेलियरगंज में बस की टक्कर से आटो चालक की मौत : चार सवारियों की हालत गंभीर

प्रयागराज ब्यूरो : तेलियरगंज में संगम स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरे ऑटो व बस में आमने–सामने से भिड़ंत हो गई। इसमें ऑटो ड्राइवर अजय कुमार सरोज (31) की मौके पर मौत हो गई। जबकि दो महिला समेत चार श्रद्धालु जख्मी हो गए। उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अजय पुत्र श्रीनाथ सरोज, सुभानपुर शकरदहा, प्रतापगढ़ का रहने वाला था। वह बैरहना निवासी एक व्यक्ति का ऑटो चलाता था। रविवार शाम पांच बजे के करीब वह सिविल लाइंस से संगम स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं को लेकर फाफामऊ जा रहा था। अभी वह रसूलाबाद में महर्षि पतंजलि स्कूल के पास पहुंचा था। तभी अचानक सामने आए बाइकसवार को बचाने में सामने से आ रहे चालक ने स्टेयरिंग घुमा दी। इससे बस तेलियरगंज की ओर जाने वाली लेन पर आ गई और उसकी ऑटो से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। उधर, ड्राइवर अजय की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भीतर बैठे श्रद्धालु बाबूलाल मौर्य व उनकी पत्नी कुसम और रामलाल मौर्य व केवला मौर्य जख्मी हो गए। सभी दहियांवा बाजार, सोरांव के रहने वाले हैं और गंगा स्नान के लिए आए थे। घटना से चीखपुकार मच गई। जानकारी पर चौकी प्रभारी अनिल भगत पहुंचे और घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। उधर आरोपी

चालक बस छोड़कर भाग निकला। जिसके बाद बस को कब्जे में लेकर थाने लाया गया। शिवकुटी एसओ मनीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बस चालक की तलाश की जा रही है। राहगीर ही नहीं, मासूमों की जान भी खतरे में मौके पर पहुंचे स्थानीय लोग घटना को लेकर आक्रोशित दिखे। अन्य लोगों समेत स्थानीय पार्षद मुकुंद तिवारी ने बताया कि जिस जगह यह घटना हुई वहां आसपास स्कूल–कॉलेज हैं। अक्सर यहां दुर्घटनाएं होती हैं जिसमें लोग जख्मी हुए हैं। इस संबंध में कई बार उन्होंने लिखित तौर पर शिकायत की। साथ ही ट्रैफिक सिग्नल लगाकर गोल चौराहा और ब्रेकर बनाने की मांग की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग निर्दोषों के साथ ही मासूमों की जान से भी खेल रहे हैं।

मांसाहारी महिलाओं के दूध में मिल रहा साढ़े तीन गुना ज्यादा कीटनाशक : बनें शाकाहारी

लखनऊ ब्यूरो : फसलों व खानपान की चीजों में खतरनाक रसायनों के अंधाधुंध उपयोग से हमारे नवजात भी अछूते नहीं हैं। मां के दूध से इनमें जन्म के साथ ही कीटनाशक और अन्य खतरनाक रसायन पहुंच रहे हैं। मांसाहार करने वाली महिलाओं के मामले में स्थिति और खतरनाक है। शाकाहारी माताओं के मुकाबले इनके दूध से साढ़े तीन गुना तक ज्यादा कीटनाशक शिशुओं में पहुंच रहा है। केजीएमयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीन मेरी) में हुए अध्ययन में ये तथ्य सामने आए हैं। इंवायर्नमेंटल रिसर्च जर्नल में प्रकाशित यह अध्ययन डॉ. नैना द्विवेदी, प्रो. अब्बास अली मेंहदी और प्रो. सुजाता देव ने किया है। प्रो. सुजाता देव बताती हैं कि खान–पान का हम पर असर पड़ता ही है। लिहाजा हम यह पता लगाना चाहते थे कि, क्या स्तनपान से शिशुओं में भी कीटनाशक पहुंचता है। इसके लिए विभाग में आईं 130 महिलाओं पर अध्ययन किया गया। इनमें करीब एक तिहाई महिलाएं मांसाहार करने वाली थीं। प्रसव के बाद लिए गए महिलाओं के दूध में कीटनाशक का प्रभाव मिला। इससे साफ है कि भले ही नवजात कीटनाशकयुक्त अनाज या अन्य पदार्थों का सेवन नहीं करते हों, पर मां के दूध के साथ कीटनाशक उनमें पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात रही कि मांसाहार करने वाली महिलाओं के दूध में कीटनाशक की मात्रा साढ़े तीन गुना तक ज्यादा मिली। इसी तरह अधिक उम्र में मां बनने वाली और समय से पहले प्रसव वाली माताओं के दूध में भी कीटनाशक का प्रभाव सामान्य महिलाओं के मुकाबले कई गुना ज्यादा मिला। यह अध्ययन अहम क्यों? प्रो. सुजाता के अनुसार दुर्भाग्य है कि अब भी अपने यहां कीटनाशक के उपयोग से संबंधित गाइडलाइन नहीं है। किसान मनमानी तरीके और मनचाही मात्रा में इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। फसलों की ज्यादा पैदावार और कीड़ों से रखवाली के लिए बाजार में जो कीटनाशक हैं, उनके लिए कोई मानक नहीं हैं। यही कीटनाशक खाने के माध्यम से हमारे और बच्चों में पहुंच रहे हैं। इसके बारे में हमें जानने की जरूरत क्यों? केजीएमयू के फॉरेंसिक एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग की डॉ. शिऊली राठौर ने बताया कि कोई भी कीटनाशक या रसायन हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। हम सजग रहकर ही इनसे बच सकते हैं। इनका प्रभाव दो तरह से होता है। कुछ मामलों में इसका असर तुरंत दिखाई देता है। वहीं, कुछ मामलों में धीरे–धीरे ये खतरनाक रसायन शरीर में जमा होते रहते हैं और बाद में इनका दुष्प्रभाव सामने आता है। अलग–अलग कीटनाशकों का हमारे अंगों पर अलग–अलग दुष्प्रभाव होता है। हम कैसे बचाव कर सकते हैं? डॉ. शिऊली राठौर बताती हैं कि फिलहाल कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से बचना होगा। वहीं, प्रो. सुजाता इसी सवाल पर कहती हैं–इसके लिए कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल के लिए एक सख्त गाइडलाइन की जरूरत है। यही नहीं, मां के दूध के जरिये बच्चे में पहुंच रहे कीटनाशक और खतरनाक रसायन उसपर कितना दुष्प्रभाव डालते हैं, इस बारे में अभी और अध्ययन की जरूरत है। चिकन या जानवरों का वजन बढ़ाने के लिए दी जाने वाली दवाइयों का कितना दुष्प्रभाव होता है? डॉ. शिऊली इस सवाल पर कहती हैं, आमतौर पर चिकन या अन्य जानवरों का वजन, आकार बढ़ाने के लिए जो इंजेक्शन दिए जाते हैं वे हार्मोनल होते हैं। इनका दुष्प्रभाव तो निसंदेह होगा ही। जहां तक बात मांस में कीटनाशकों की मौजूदगी का है, तो इस पर कोई टिप्पणी विशेष शोध के बाद ही की जा सकती है। यह संभव है कि वे जो मांसाहार करती हों उसमें कीटनाशक की मौजूदगी हो, लेकिन स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

जेल के पीछे टैक्सी स्टैंड के सामने गति अवरोधक ना होने से सड़क हादसे में इजाफा : संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी मौन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) मकबरा तिराहा से जेल के पीछे स्थित टैक्सी स्टैंड होकर आने वाली ओवरब्रिज पुष्पराज चौराहा से लेकर फतेहगंज जाने वाली सड़क पर गति अवरोधक ना होने के चलते यहां पर आये दिन कोई न कोई सड़क हादसा होता रहता है। जबकि इस समय सड़क सुरक्षा माह दिवस में आरटीओ व यातायात विभाग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग का ध्यान नहीं जा रहा है। जबकि इस समय परिवहन विभाग व यातायात विभाग के साथ लोगों को जागरूक करने का काम करके अपनी पीठ थपथपा रहा है।अगर देखा जाये तो यह गंभीर समस्या हमेशा बनी रहती है।ठंडी, गर्मी व बारिश सभी मौसम में यह गंभीर समस्या बनी रहती है। मकबरा की ओर से ओवरब्रिज से तीव्र गति से तेजी सेघ आने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहन सामने से आने वाले वाहनों से आये दिन भिड़ते है जिसके चलते वहां पर सड़क हादसा होना एक आम बात हो गई है।वही इस सड़क हादसे का शिकार वाहन चालक होकर चोटिल हो रहे हैं परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी ध्यान नहीं देते नजर आ रहे हैं।जबकि इधर से अनेकों बार आम जनमानस के

अलावा जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ साथ इससे संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आते जाते रहते हैं परंतु इस गंभीर समस्या पर इन अधिकारियों व कर्मचारियों का ध्यान नहीं जा रहा है जिसके चलते इधर से गुजरने वाले वाहन चालको व अन्य लोगों में संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति आक्रोश देखा जा सकता है।वही मालूम हो कि इसी जगह पर टैक्सी स्टैंड होने के चलते हमेशा दर्जन भर वाहनों व आने जाने वाले यात्रियों की भी काफी संख्या में भीड़ रहती है जिसके चलते आए दिन सड़क हादसे भी होते रहते हैं लेकिन इस गंभीर समस्या पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

आपका जीवन आपके व परिवार के लिये अमूल्य – सीओ यातायात

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) यातायात के नियमों का पालन पुलिस की डर से नहीं बल्कि अपने व अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करें।क्योंकि आपका जीवन आपके व आपके परिजन के लिये अमूल्य है।मालूम हो कि जब आप दो पैसा कमाने के लिये अपने अपने वाहनों व व्यक्तिगत कार्यों के लिये दो दोपहिया व चार पहिया वाहनों से अपने घर से निकलते हैं जब तक आप सुरक्षित अपने घर वापस नहीं आ जाते तब तक आपकी प्रतीक्षा में आपके परिजन चिंतित रहते हैं। इसलिए आपको मालूम होना चाहिए कि आप पुलिस के लिए नहीं बल्कि अपने परिवार के हितों के लिए यातायात नियम का पालन करें।यह बातें शनिवार को सड़क सुरक्षा माह के तहत साकेत पेट्रोल पंप के समीप ई रिक्शा व टेंपो चालकों के अलावा दो पहिया व चार पहिया वाहनों के चालको से अपील करते हुए सीओ यातायात प्रमोद कुमार यादव ने कही।उन्होंने कहा कि आप सभी मानक के अनुसार ही अपने–अपने ई रिक्शा व टेंपो में सवारियों को बिठाये। ओवरलोडिंग न करे।दुर्घटना से देर भली वाक्य को ध्यान में रखकर आप अपने वाहनों को तीव्र गति से ना चलाएं। क्योंकि ओवरलोडिंग व वाहन की तीव्र गति ही दुर्घटना के प्रमुख कारण है।मालूम

हो कि आपका इंतजार आपके परिजनों को आपके घर पर रहता है।इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप सभी वाहन चालक वाहन चलाते समय मोबाइल फोन व साउंड सिस्टम का उपयोग न करें।इसके साथ ही साथ आप सभी अपने अपने वाहनों पर आगे पीछे रिफ्लेक्टर का प्रयोग अवश्य करें।इससे रात में होने वाले सड़क हादसों में कमी आयेगी।वही इसी कड़ी में उनके अलावा एआरटीओ प्रवर्तन संदीप चौधरी व यातायात निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने संयुक्त रुप से वहां पर मौजूद सभी ई रिक्शा चालकों व टैम्पो चालकों को यातायात नियम के प्रति जागरूक किया।

जमानत हुए पांच माह गुजर गये फिर भी नहीं हुई रिहाई

अलीगढ़ ब्यूरो : पुलिस की अजीब–अजीब कहानी आए दिन सामने आती हैं। ऐसा ही मामला बन्नादेवी पुलिस का सामने आया है। पांच माह पहले दो जमानतियों का सत्यापन बन्नादेवी थाने भेजा गया, मगर आज तक सत्यापन होकर रिपोर्ट अदालत नहीं पहुंची। इस वजह से अपराधी की रिहाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में बन्नादेवी पुलिस के खिलाफ अदालत में अर्जी दायर की गई है, जिस पर न्यायालय ने ब्योरा तलब करते हुए सोमवार की तारीख नियत की है। इस मामले में जानकारी देते हुए अधिवक्ता वीरपाल सिंह जादौन ने बताया कि रोरावर पुलिस ने गढ़िया एलमपुर बन्नादेवी के आकाश को आर्म्स एक्ट के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले में एडीजे 9 की अदालत से 17 अगस्त अगस्त को जमानत मंजूर कर ली गई। इसके बाद एसीजेएम न्यायालय में जमानती आवेदन दाखिल किए गए, जिस पर 26 अगस्त को दो जमानतियों एलमपुर के ही मदन सिंह व सुरेश का सत्यापन कराने की प्रक्रिया हुई। जिस पर एसीजेएम न्यायालय से बन्नादेवी पुलिस को प्रपत्र भेजे गए। आरोप है कि इसके बाद से लेकर आज तक सत्यापन रिपोर्ट थाने से न्यायालय नहीं पहुंची। लगातार आकाश के परिजन इलाका

पुलिस से प्रयास करते रहे। मगर सुनवाई न होने पर अब अधिवक्ता के जरिये न्यायालय में अर्जी दायर की गई। अधिवक्ता के अनुसार इस मामले में बन्नादेवी पुलिस द्वारा जमानती सत्यापन रिपोर्ट न दिए जाने के कारण पांच माह से आकाश अभिरक्षा में है और उसकी रिहाई नहीं हो पाई। इसके लिए बन्नादेवी पुलिस जिम्मेदार है। इस पर एसीजेएम तृतीय की अदालत में पुलिस के खिलाफ मुकदमे का अनुरोध किया है, जिस पर अदालत ने थाना पुलिस से ब्योरा तलब करते हुए सोमवार की तारीख नियत की है। इधर, इस मामले में इंस्पेक्टर बन्नादेवी का कहना है कि यह संभव नहीं है। जरूर रिपोर्ट कहीं मिस हुई होगी। सोमवार को न्यायालय में अपना पक्ष रखा जाएगा।

प्रवक्ता भर्ती की स्क्रीनिंग परीक्षा में 218 हुए सफल : 130 पदों पर होनी है भर्ती

प्रयागराज ब्यूरो : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने प्रवक्ता, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज स्क्रीनिंग परीक्षा–2020 का परिणाम जारी कर दिया है। इसके तहत 12 विषयों में प्रवक्ता के 130 पदों पर भर्ती होनी है। हालांकि, आयोग ने अभी चार विषयों में 218 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए सफल घोषित किया है। बाकी आठ विषयों का परिणाम बाद में जारी किया जाएगा। स्क्रीनिंग परीक्षा बीते वर्ष 14 से 19 अक्तूबर तक आयोजित की गई थी। इसमें प्रवक्ता, फॉर्मेसी में 64, प्रवक्ता मटेरिया मेडिका में 70, प्रवक्ता रिपर्टरी में 71 और प्रवक्ता एनॉटमी में 13 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। इनके रजिस्ट्रेशन नंबर आयोग की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए गए हैं। स्क्रीनिंग परीक्षा में ऐसे अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है, जो परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर श्रेणीवार

पदों के सापेक्ष आठ गुना मेरिट के तहत आते हैं। आयोग की ओर से न्यूनतम दक्षता प्राप्तांक प्रतिशत (सामान्य/ओबीसी के लिए 40 फीसदी, एससी/एसटी के लिए 35 फीसदी) धारित करते हैं। अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र, विभिन्न परीक्षाओं के प्राप्तांक प्रपत्र आदि आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को इन्हें डाउनलोड कर प्रिंट निकालना है और समस्त शैक्षिक अभिलेखों सहित उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के गेट नंबर–तीन पर स्थित डाक विभाग के काउंटर या स्पीड पोस्ट के माध्यम से 31 जनवरी को शाम पांच बजे तक उपलब्ध कराना है।

मकर संक्रांति पर्व पर खिचड़ी भोज का किया गया आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) रविवार को जिले में जहां एक ओर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जगह जगह मकर संक्रांति पर्व पर जगह जगह लोगों ने खिचड़ी भोज का

आयोजन किया। वही इसी कड़ी में संक्रांति पर्व पर रविवार को सिंपलेक्स केमिकल इंडस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से स्वर्गीय घनश्याम दास के स्मृति में फतेहगंज कार्यलय पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया।इस मौके पर वहां पर मौजूद दर्जनों लोगों व इधर से गुजरने वाले राहगीरों ने खिचड़ी का स्वाद चखा।मालूम हो कि इससे पहले भी स्वर्गीय घनश्याम दास कई वर्षों से खिचड़ी भोज का आयोजन करते आ रहे थे।उन्हीं की याद में रविवार को भी मकर संक्रांति के अवसर पर भव्य खिचड़ी भोज का आयोजन किया।इस मौके पर आशीष आनंद,रवि रंजन,राज कुमार तिवारी, महेश मौर्या, विशाल,राज बली, मंजीत यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

यातायात नियमों की अनदेखी न करें वाहन चालक–एआरटीओ प्रवर्तन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) सोमवार को परिवहन विभाग के कर्मियों ने एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा माह के तहत एनसीसी कैडेट व स्काउट गाईड के साथ शहर के प्रमुख चौराहा नाका बाईपास, सुल्तानपुर रोड पर सड़क सुरक्षा के प्रति वाहन चालको को जागरूक किया।इस मौके पर एआरटीओ (प्रवर्तन) प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि अक्सर वाहन चालक हेलमेट

को बाईक में लटकाकर चलते हैं।जबकि हेलमेट मोटर साइकिल की सुरक्षा के लिये नही बल्कि वाहन चालकों के सुरक्षा के लिये होता है। यही हाल कार सवारो का भी है।वही बीप की आवाज को बन्द करने के लिये सीटबेल्ट को लगा देते है। जबकि सीट बेल्ट कार सवार के ऊपर से लगाकर सुरक्षा के लिये बनायी गयी है। उन्होंने इस दौरान वाहन चालकों को बताया कि यातायात नियमो की अनदेखी जानलेवा होती है।उन्होने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल संग ड्राइविंग खतरनाक है। इससे बचे, स्टंट न करें।कई बार रील बनाने के चक्कर में युवा स्टंट कर अपनी जान गवां देते है। इस मौके पर उन्होंने परिवहन विभाग के कर्मियों द्वारा बाईक सवारो को यातायात चिन्हयुक्त पम्फलेट भी वितरित कराये। इस मौके पर यात्रीकर अधिकारी खुर्शीद अहमद, अवध विश्वविद्यालय के डारेक्टर मुकेश कुमार वर्मा, अवध विश्वविद्यालय के कुल सचिव उमानाथ सिंह चौहान, टीएसआई सूर्य प्रकाश मिश्रा, प्रवर्तन प्रवेक्षक राम सिंह, दुर्गेश सिंह, बालगोविन्द उपाध्याय, शरद चन्द्र के अतिरिक्त दर्जनो कैडेट उपस्थित रहे।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।